

यश भारत

हर पल रहें
ताजा तरीन खबरों के
साथ लॉगिन करें

WWW.yashbharat.co.in

● वर्ष-16 अंक 14 ● कटनी ● मंगलवार, 15 फरवरी, 2022 ● मूल्य-2 रुपए ● पृष्ठ-8 ● माघ शुक्ल पक्ष-15 ● विक्रम संवत् 2078 शके 1935

क्या 16 फरवरी को यूक्रेन पर हमला करने जा रहा रूस



कीव। क्या रूस, यूक्रेन पर हमला करने जा रहा है? यूक्रेन के राष्ट्रपति के एक फेसबुक पोस्ट के बाद पूरी दुनिया में डर का माहौल बन गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेन्स्की ने सोमवार को घोषणा की कि बुधवार, 16 फरवरी चकता का दिन होगा, क्योंकि उस दिन उनके देश पर रूसी आक्रमण शुरू हो सकता है। यूक्रेन के नेता की यह टिप्पणी, फेसबुक पर पोस्ट किए गए अपने राष्ट्र के नाम एक संबोधन में कीव और मास्को के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है। इससे पहले बाइडेन प्रशासन ने शुक्रवार को चेतावनी दी थी कि यूक्रेन पर कभी भी हमला हो सकता है। इस बीच, रूसी सैनिकों की पन्जी स्टालिन में युद्धाभ्यास करते फोटो-वीडियो भी जारी हुए हैं। जेलेन्स्की ने फेसबुक पर लिखा है कि एकता दिवस घोषित करने वाले डिक्ली पर पहले ही हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। हमें बताया गया है कि 16 फरवरी हमला का दिन होगा।

मप्र में कोरोना

वायरस संक्रमण के 1,760 नए मामले



4 मरीजों की मौत

भोपाल। मध्य प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 1,760 नए मामले सामने आने से संक्रमितों की संख्या बढ़कर 10,27,651 हो गई। स्वास्थ्य विभाग के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि पिछले 24 घंटों में प्रदेश में चार लोगों की मौत इस बीमारी से हुई है जिसे मिलाकर राज्य में अब तक कुल 10,697 लोगों ने इस बीमारी से जान गंवाई है। अधिकारी ने कहा कि सोमवार को कोरोना वायरस संक्रमण के इंदौर में 155 और भोपाल में 372 नए मामले दर्ज किए गए। उल्लेखनीय है कि इंदौर और भोपाल जिले इस बीमारी से प्रदेश में सबसे अधिक प्रभावित हैं। हेल्थ बुलेटिन के अनुसार पिछले 24 घंटों के दौरान प्रदेश भर में कोरोना के 700409 सैंपल्स की जांच की गयी, जिसमें 1,760 कोरोना के मामले सामने आए।

चारा घोटाला डोरंडा केस में

रांची। चारा घोटाले के सबसे बड़े केस में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव समेत 75 आरोपियों को दोषी करार दिया गया है। इस केस में 24 आरोपियों को सबूत के अभाव में बरी कर दिया गया है। सीबीआई की स्पेशल अदालत ने 36 लोगों को 3-3 साल कैद की सजा सुनाई है, जबकि लालू यादव पर सजा का ऐलान अभी नहीं हुआ है। राजद प्रमुख प्रसाद के सजा के बिंदु पर अब सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एस के शशि की अदालत में 21 फरवरी को सुनवाई होगी। जैसे ही RJJD सुप्रीमो के दोषी करार देने की सूचना बाहर आई पटना से लेकर रांची तक उनके समर्थकों में मायूसी छा गई। कोर्ट परिसर RJJD नेताओं से पटा है। पुलिस का पहरा सख्त कर दिया गया है। बता दें, इससे पहले चारा घोटाले के 4 मामलों (देवधर के एक, दुमका ट्रेजरी की दो अलग-अलग धारा और चाईबासा

लालू सहित 75 दोषी करार



24 आरोपी बरी 36 को तीन-तीन साल की जेल

ट्रेजरी से संबंधित दो मामलों में) लालू दोषी करार दिए जा चुके हैं। अभी पहले के सभी मामलों में जमानत पर बाहर थे, लेकिन मंगलवार को कोर्ट के आए फैसले से उन्हें एक बार फिर जेल जाना होगा। 29 जनवरी को CBI के विशेष

सजा का ऐलान 21 को

न्यायाधीश एसके शशि की अदालत ने बहस पूरी होने के बाद 15 फरवरी को फैसले की तारीख निर्धारित की थी। सभी आरोपियों को कोर्ट में सशरीर हाजिर होने का आदेश दिया था। सुनवाई में उपस्थित रहने के लिए लालू 2 दिन पहले 13 फरवरी को ही रांची पहुंच गए थे। कोर्ट में सुनवाई से पहले लालू के वकील प्रभात कुमार ने कहा था, अभियुक्तों की उम्र 75 वर्ष से अधिक है। लालू यादव जेल जाने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में कोर्ट से राहत की उम्मीद थी। पहले वाले केस में स्थितियां अलग थी, आज अलग है। इस केस में 10 महिलाएं भी आरोपी हैं। इधर, पूर्व मुख्यमंत्री रावड़ी देवी के आवास के बाहर सत्राटा पसरा हुआ है।

डोरंडा ट्रेजरी घोटाला आखिर है क्या?

डोरंडा ट्रेजरी से 139.35 करोड़ रुपए की अविधे निकासी के इस मामले में पशुओं को फर्जी रूप से स्कूटर पर देने की कहानी है। यह उस वक्त का देश का पहला मामला माना गया जब बाइक और स्कूटर पर पशु को डोया गया हो। यह पूरा मामला 1990-92 के बीच का है। जांच में पाया कि अफसरों और नेताओं ने मिलकर फर्जीवाड़ा का अनोखा फॉर्मूला तैयार किया। 400 सांड को हरियाणा और दिल्ली से स्कूटर और मोटरसाइकिल पर रांची तक डोया गया। ताकि बिहार में अच्छी नस्ल की गाय और भैंसों का उत्पादन किया जा सके। पशुपालन विभाग ने 1990-92 के दौरान 2,35, 250 रुपए में 50 सांड, 14, 04,825 रुपए में 163 सांड और 65 बछिया खरीदा इतना ही नहीं विभाग ने इस दौरान क्रॉस ब्रिड बछिया और भैंस की खरीद पर 84 लाख 93 हजार 900 रुपए का भुगतान मुरा लाइव स्टॉक दिल्ली के दिवंगत प्रोप्राइटर विजय मलिक को की थी।

अच्छी खबर

सरकार ने घटाया आयात शुल्क

सस्ती दर पर मिलेगी दाल और कुकिंग ऑयल

नई दिल्ली। खाने-पीने की बढ़ती कीमतों पर एक अच्छी खबर है, महंगाई से राहत देने के लिए सरकार ने दालों और पाम ऑयल पर इम्पोर्ट ड्यूटी में कटौती की घोषणा की है। खाद्य मुद्रास्फीति पर काबू पाने की कोशिशों के तहत सरकार ने ऑस्ट्रेलिया और कनाडा से आने वाली दाल पर आयात शुल्क शून्य कर दिया है और अमेरिका से आने वाली दाल पर शुल्क 30प्रश से घटाकर 22प्रश कर दिया है। सरकार ने कच्चे पाम तेल पर भी सेंस को 7.5प्रश से घटाकर 5 प्रश कर दिया है। हालांकि, मूंग के आयात के लिए विंडो को करीब दो महीने के लिए बंद करने के अचानक फैसले ने उद्योग को चौंका दिया है, जो पहले से ही आयात कॉन्ट्रैक्ट कर चुके हैं।



कीमतें अपने पहले के उच्चतम स्तर 175 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। 13 फरवरी से आयातित पाम तेल पर शुल्क में कटौती के निर्णय से घरेलू रिफाइनिंग में 60प्रश की वृद्धि होने की उम्मीद है क्योंकि कच्चे पाम तेल और रिफाइनड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर 5.5 से बढ़ाकर 8.25 कर दिया गया है। एक अंग्रेजी अखबार के अनुसार कंसल्टिंग फर्म सनविन ग्रुप के सीईओ संदीप बाजोरिया का कहना है, नवंबर तक घरेलू खाद्य तेल की कीमतों में लगभग 10प्रश से 12प्रश की गिरावट आई थी।

उद्योग को उम्मीद है कि कच्चे और रिफाइनड पाम

तेल के आयात का मौजूदा अनुपात क्रमशः 50:50 है, जो अब कच्चे पाम तेल के पक्ष में बदल जाएगा। बाजोरिया ने कहा, कच्चे और रिफाइनड पाम तेल के बीच शुल्क अंतर में वृद्धि से स्थानीय रिफाइनिंग को प्रोत्साहन मिलेगा। हमें उम्मीद है कि आयात अब क्रमशः कच्चे और रिफाइनड पाम तेल के 80:20 के अनुपात में होगा। मसूर के आयात को आसान बनाने के भारत के फैसले को ऑस्ट्रेलिया में सराहना की गई है, जिसका भारत के मसूर आयात में सबसे ज्यादा हिस्सा है। ऑस्ट्रेलियाई किसान बेहतर रिटर्न पाकर खुश हैं और अपने स्टॉक को लिक्विड कर रहे हैं।

मुंबई में अंडरवर्ल्ड से जुड़े ठिकानों पर ईडी का बड़ा सर्च ऑपरेशन

दाऊद की बहन के घर पर भी छापेमारी

मुंबई। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई में अंडरवर्ल्ड से जुड़े लोगों के ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी कर रही है। समाचार एजेंसी के अनुसार ईडी ने दाऊद इब्राहिम की बहन हसीना पारकर के मुंबई स्थित आवास पर भी छापेमारी की है। इसके अलावा ईडी ऐसे कई नेताओं के घर पर छापेमारी कर रही है जिनके तार डी कंपनी से जुड़े हुए हैं। एजेंसी ऐसे नेताओं की प्रॉपर्टी

और अवैध निकासी से संबंधित केस की जांच कर रही है। प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारी के अनुसार कुल दस ठिकानों पर छापेमारी की गई है और धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धाराओं के तहत कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि एक राजनेता से जुड़े कुछ परिसरों को भी कवर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ईडी की कार्रवाई राष्ट्रीय जांच एजेंसी

(एनआईए) द्वारा हाल ही में दर्ज की गई एक प्राथमिकी और पूर्व एजेंसी को मिली कुछ खुफिया सूचनाओं पर आधारित है। आपको बता दें कि महाराष्ट्र की राजधानी में लगभग 10 स्थानों पर तलाशी ली जा रही है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण कानून (पीएमएलए) के अंतर्गत की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि एक नेता से जुड़े कुछ परिसरों पर भी छापा मारा गया है।

दो दिन की भारी गिरावट के बाद शेयर बाजार में मामूली बढ़त

नई दिल्ली। मिले जुले ग्लोबल संकेतों के बीच आज भारतीय बाजारों को बढ़त के साथ शुरुआत हुई है। आज सेंसेक्स 56,731.56 वहीं निफ्टी 16,933.25 अंक पर खुला। 9.20 बजे 479.55 पॉइंट की बढ़त के साथ 56,885.39 पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी 136.20 अंको की बढ़त के साथ 16,979.00 पर कारोबार कर रहा है। इससे पहले कल बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 1,747 पॉइंट्स (3ब) टूटकर 56,405 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 531 अंक (3.06%) गिर कर 16,842 पर बंद हुआ

अब लासा बुखार का खतरा

यूके में हो चुकी एक मौत

नई दिल्ली। देश और दुनिया में कोरोना महामारी बीमारी का पता लगाना और इलाज करना मुश्किल हो रहा है। कुछ रोगियों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ सकती है, क्योंकि इलाज नहीं मिलने पर उनमें गंभीर बहु-प्रणाली रोग विकसित होने की आशंका होती है। अस्पताल में भर्ती मरीजों में से पंद्रह फीसदी की मौत हो सकती है।

चूहों से फैलता है लासा बुखार
लासा बुखार पैदा करने वाला वायरस पशुओं में पाया गया है। पहली बार 1969 में लासा का मरीज नाइजीरिया में पाया गया था। नाइजीरिया में दो नरों की मौत के बाद इस बीमारी का पता चला था। लासा संक्रमण चूहों से फैलता है। मुख्य रूप से सिसपार लियोन, लाइबेरिया, गिनी और नाइजीरिया सहित पश्चिम अफ्रीका के देशों में पाया जाता है। संक्रमित चूहे के मूत्र या मल से दूषित भोजन या घरेलू सामान के संपर्क में आने पर यह संक्रमण इन्सानों में फैल जाता है। इसके बाद यह बीमारी इन्सानों से इन्सानों में फैल सकती है। यदि कोई व्यक्ति संक्रमित मरीज की आंख, नाक या मुंह से निकले वाले तरल पदार्थ के सम्पर्क में आता है। तो उसे भी बीमारी हो सकती है।



जो बिकता नहीं सिर्फ वही सच लिखता है...

आज मिलेगा बच्चों का नया टीका

नई दिल्ली। केंद्र सरकार को कोर्बेवैस टीके की पहली खेप आज मिल जाएगी। इसके साथ ही अब 12 से 18 साल के बच्चों के लिए नया टीका मिल जाएगा। अभी 15 से 18 साल तक के बच्चों को कोवाक्सिन की खुराक दी जा रही है। बायोलॉजिकल ई द्वारा 12 से 18 साल तक के बच्चों के लिए विकसित इस कोरोना वैक्सीन की 30 करोड़ खुराक सरकार खरीद रही है। इनकी खरीदी का आर्डर अगस्त 2021 में दिया गया था। बायोलॉजिकल ई अपने टीके कोर्बेवैस की 25 करोड़ खुराक का उत्पादन कर चुकी है। वह कुछ सप्ताहों में बचे डोज भी तैयार कर लेगी। हैदराबाद की कंपनी बायोलॉजिकल ई को इन टीकों की खरीदी के लिए सरकार ने पिछले साल 1500 करोड़ का अग्रिम भुगतान किया था। एक दिन पहले ही भारतीय दवा नियंत्रक ने 12 से 18 साल तक के बच्चों के लिए कोर्बेवैस टीके के आपात इस्तेमाल की इजाजत दी है।

कोर्बेवैस की पहली खेप सांपी जाएगी

राजीव टंडन तीन महीने के लिए बनाए जा सकते हैं प्रभारी पुलिस महानिदेशक

भोपाल। मध्य प्रदेश के पुलिस महानिदेशक विवेक जोहरी चार माघ को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। नए पुलिस महानिदेशक के लिए 1987 बैच के आइपीएस अधिकारी सुधीर सक्सेना सबसे प्रबल दावेदार हैं।



उनके नाम को लेकर सभी स्तर पर सहमति भी है लेकिन इसे जब तक अंतिम रूप नहीं दे दिया जाता है तब तक प्रभारी पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति की जा सकती है। इसके लिए राजीव टंडन का नाम सामने आ रहा है। वे मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के भरोसेमंद अधिकारियों में हैं और तीन माह में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। इस

दिया जाना चाहिए। इस हिसाब से दिसंबर में प्रस्ताव भेज दिया जाना चाहिए था। उच्च पदस्थ सूत्रों का कहना है कि गृह विभाग ने प्रस्ताव तैयार करके मुख्यमंत्री सचिवालय को भेज था पर सरकार की प्राथमिकता में कोरोना संक्रमण पर नियंत्रण सहित अन्य कार्य थे। यही वजह रही कि अभी तक प्रस्ताव नहीं भेजा गया है। इंटरनेट मीडिया पर जब प्रस्ताव भेजे जाने संबंधी खबर चली तो गृह विभाग ने स्थिति साफ की और बताया कि उच्च स्तर पर संघ लोक सेवा आयोग को प्रस्ताव भेजने का प्रकरण विचाराधीन होने से अभी नहीं भेजा गया है। माना जा रहा है कि 1988 बैच के अधिकारी राजीव कुमार टंडन को नए पुलिस महानिदेशक का चयन होने तक प्रभारी बनाया जा सकता है।

दतिया कॉलेज में हिजाब पर हुआ हंगामा

दतिया। कर्नाटक से शुरू हुआ हिजाब का विवाद मध्य प्रदेश के ग्वालियर तक फैल गया है। सोमवार को ग्वालियर के दतिया कॉलेज में उस समय हंगामा हो गया जब दो छात्राएं हिजाब पहने नजर आईं। जब इसकी सूचना हिंदू संगठनों को मिली तो हिंदू संगठन के कार्यकर्ता कॉलेज पहुंच गए और उसके बाद उन्होंने जमकर हंगामा किया। हिंदू संगठनों के प्रदर्शन को देख कॉलेज प्राचार्य ने आनन फानन कॉलेज की दीवार पर सामान्य ड्रेस में आने का नोटिस चरपा कर दिया। दरअसल हिंदू संगठन के कार्यकर्ता जगह घूम रहे थे। इसी दौरान वे कार्यकर्ता दतिया पीजी कॉलेज में पहुंचे और जब उन्होंने वहां दो छात्राओं को हिजाब में देखा तो विरोध करते हुए हंगामा कर दिया। हंगामे को देखकर प्राचार्य ने नोटिस चरपा करते हुए कहा कि कोई भी कॉलेज में नकाब-बुर्का पहनकर नहीं आएगा।



हर पल मौत से सामना..

स्लीमनाबाद टनल हादसे में बचे श्रमिकों की जुबानी, दो साथियों के बिछड़ने का दुख

कटनी। सुरंग हादसे में दो मजदूरों को बचाया नहीं जा सका लेकिन राहत की बात है कि इस हादसे में 7 मजदूरों को सकुशल निकाल लिया गया। हादसे में बचने के बाद मजदूरों को जिला चिकित्सालय भिजवाया गया जहां उनका इलाज जारी चल रहा है सभी ठीक हैं। यहां जब इन श्रमिकों से बात की गई तो हादसे की आंखों देखी सुनकर किसी का भी दिल सिहर जाए। निर्माणाधीन सुरंग के अचानक धंसने से इसके मलबे से सुरक्षित बचाये गये मजदूर मोतीलाल कोल ने कहा कि उसने जीवित बाहर निकलने की सभी उम्मीदें छोड़ दी थी और मलबे में नीचे फंसे एक अन्य मजदूर से कहा था कि यदि वह मर जाता है तो उसकी मां को ढाढ़स बंधवानी और उसे शांत रहने को कहना। कोल ने रविवार को कटनी जिला अस्पताल में रूंधे गले से कहा, "मैंने अपने दोस्त नंदकुमार यादव से कहा था कि वह मेरी मां को बताए कि मैं अगले जन्म में उनकी कोख से ही पैदा होऊंगा। शनिवार को सुरंग धंसने की इस घटना को याद करते हुए

मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले के निवासी कोल (30) ने कहा, "शाम करीब सात बजे मैं एवं मेरे साथी सुरंग के अंदर थे और सुरंग के ऊपर जमीन पर जो लोग काम कर रहे थे, वे मजदूरों को भागने के लिए कह रहे थे। इसी बीच सुरंग धंसने लगी। उन्होंने कहा कि यह देख मैं एवं मेरे साथी भी अपने-अपने को बचाने के लिए दीवार की तरफ भागे, ताकि उसकी आड़ में बच जायें। कोल ने बताया कि पल भर में ही इस सुरंग का एक हिस्सा धंस गया। मुझे और यादव को लगा कि अब हम जीवित नहीं बचेंगे। इसी दौरान, ऊपर जमीन पर मौजूद लोगों ने हमसे पूछा कि क्या तुम्हें पीने के लिए पानी की जरूरत है? लेकिन मैंने पानी के लिए मना कर दिया और उनसे अनुरोध किया कि सुरंग में ऑक्सीजन भेजो। तड़के करीब चार बजे हम दोनों को एक-एक कर बचा लिया गया। सिंगरौली के रहने वाले यादव (32) ने कहा कि जब मैं सुरंग में फंसा हुआ था, तब मुझे लग रहा था कि मैं अब बच नहीं पाऊंगा। जीवित बचे विजय कोल

(35) और इंद्रमणी कोल (30) ने भी इसी तरह के अनुभव साझा किया। चारों जीवित बचे लोगों ने कहा कि उन्होंने सुरंग के अंदर फंसे होने के दौरान एक-दूसरे को ढाढ़स बंधाने की कोशिश की। इन चार लोगों के अलावा, तीन अन्य लोगों को भी अब तक सुरक्षित बचाया गया है, जबकि सुरंग में लोग सिंगरौली जिले के गोरिलाल कोल और महाराष्ट्र के नागपुर के रवि (सुपरवाइजर) को नहीं बचाया जा सका। बचाये गये मजदूरों ने कहा कि उन्होंने गौरे लाल और रवि की आवाज सुरंग के अंदर नहीं सुनी। इस पूरे घटनाक्रम में पूरे वक्त मौजूद रहे बहोरीबंद के विधायक प्रणय पांडे ने कहा कि सभी मजदूर सुरक्षित रहते लेकिन क्या करें। उन्होंने बताया कि इस पूरी घटना की जानकारी मुख्यमंत्री भाजपा प्रदेशाध्यक्ष आदि पूरे समय लेते रहे। सभी के प्रयास से बचाव कार्य तेज हुआ और 7 लोगों को बचाया जा सका। अलबत्ता दुख है कि दो लोगों को नहीं बचाया जा सका।

पल-पल बदलता मौसम, बसंत में पहले कमी नहीं दिखा ऐसी परिवर्तन, लोग हैरान



बदला मौसम

कटनी। मौसम को लेकर कोई कुछ भी नहीं कह सकता। एक दिन ठंड तो दूसरे दिन गर्मी, कभी बादल तो कभी तेज चटक धूप कुछ इस तरह बीत रहा है फरवरी माह मौसम में बसंत रितु के दौरान परिवर्तन तो लोगों ने हमेशा देखा है लेकिन इस तरह का परिवर्तन नहीं दिखा। कुछ घंटों में ही अचानक सर्द हवाएं चलने लगती हैं तो कभी ऐसा प्रतीत होता है जैसे गर्मी का समय आ गया हो। लोग घर से निकलते हैं तो गर्म कपड़े गर्मी के कारण छोड़ देते हैं लेकिन कुछ ही देर में ठंड लगने लगती है बहरहाल आज भी मौसम की यही स्थिति देखने को मिली। मौसम का मिजाज मंगलवार को बदल गया। सुबह धूप निकलने के कुछ देर बाद आसमान में बादल छा गए। सुबह 10 बजे से बादल छाए रहे। ठंडे मौसम के बीच तापमान फिर से बढ़ गया। बदलते मौसम के बीच दिन का न्यूनतम तापमान 8.1 डिग्री और अधिकतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस पर था। पूरे दिन सूर्य देवता का लुकाछिपी का खेल चलता रहा। कृषि विज्ञान केंद्र मिली जानकारी के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ बना है। इसलिए ऐसा मौसम हो रहा है। अभी दो दिन लोगों को इसी तरह के मौसम का सामना करना पड़ेगा। आज कुछ स्थानों पर बारिश के आसार हैं। बुधवार सुबह धीरे-धीरे मौसम खुलेगा, लेकिन ठंड रहेगी।

तापमान में लगातार हो रहा उतार चढ़ाव

पिछले दिनों से जिले सहित शहर के तापमान में पिछले सप्ताह से उतार-चढ़ाव हो रहा है। पिछले दिनों हुई बारिश के कारण वातावरण में काफी ठंडक घुल गई थी। इसके बाद मौसम साफ होने पर लोगों ने राहत की सांस ली थी लेकिन शनिवार को फिर पूरे दिन सूरज की आंख मिचौली चली। कड़क की ठंड के बीच लोगों ने टिड्डुर से बचने के लिए अलाव का सहारा लिया। जिले में बढ़ती ठंड के साथ अब धुंध की चादर भी गहरी होती जा रही है।

समाधान योजना से नहीं हो पा रहा समाधान

कटनी। कटनी जिले में बिजली के बिलों को लेकर कई शिकायतें सामने आ रही हैं। कोरोना संक्रमण की पहली लहर में लगे लॉकडाउन के दौरान के अस्थायित किए गए बिजली बिल के लिए प्रदेश शासन की समाधान योजना उपभोक्ताओं को रास नहीं आई। इसका एक कारण अनाप-शानाप बिलिंग मानी जा रही है। मनमाने बिजली बिल से परेशान उपभोक्ता कलेक्टर की जनसुनवाई से लेकर सीएम हेल्पलाइन तक शिकायतें दर्ज करा रहे हैं पर उन्हे कहीं राहत नहीं मिल रही है। समाधान योजना के नाम पर शासन ने विद्युत वितरण कंपनी की माली हालत सुधारने का प्रयास किया लेकिन उपभोक्ताओं ने रचि ही नहीं ली। इस योजना के हथ्र का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिले में एक लाख 37 हजार उपभोक्ताओं से 60 करोड़ रुपये वसूली का टारगेट था लेकिन उसमें से महज 68 लाख रुपये ही जमा हो पाए। जबकि शासन ने समाधान योजना को अवधि 15 जनवरी से बढ़ाकर 31 जनवरी कर दी थी फिर लोग झूट के बाद भी बकाया बिजली बिल जमा करने आगे नहीं आए। थमा दिया एक लाख, 60 हजार का बिल विद्युत वितरण केंद्र कटनी शहर के बाबूलाल बजाज को एक लाख, 60 हजार रुपये का बिल दिया गया। श्री बजाज के अनुसार उनके घर का हर माह अधिकतम 200 रुपये बिजली बिल आता था। इस बार एक साथ एक लाख, 60372 रुपये का बिल दे दिया। सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने पर विद्युत वितरण कंपनी के अधिकारी ने जबाब दर्ज कराया कि शिकायतकर्ता की शिकायत अनुसार शिकायतकर्ता को मीटर रीडिंग 17780 एवं खपत 17779 यूनिट का 60327 रुपये का बिल जारी किया गया था। दक्षता रीडिंग की जांच कर बिल में सुधार कर दिया गया था। इस बारे में जनप्रतिनिधियों की चुप्पी भी लोगों को समझ में नहीं आ रही।



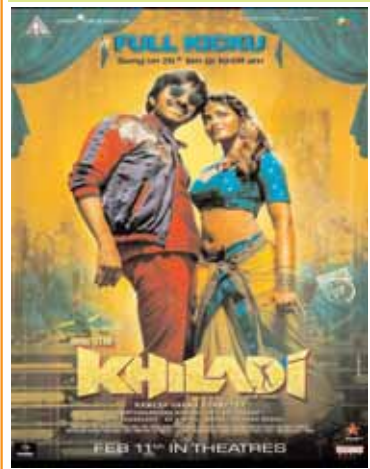
बिजली बिल

जंगली जानवरों को बचाने की कवायद कटनी-बिलासपुर रेलखंड में जंगल एरिया में अंडरपास बनेंगे

कटनी। कटनी जिला दो दो नेशनल पार्क की सीमाओं से जुड़ा है बांधवगढ़ तथा पन्ना दोनों की जगह बाघों का संरक्षण के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। इनही प्रयासों के मद्देनजर अब रेलवे ने भी इन स्थानों से गुजरती रेल लाइन से ट्रेन की चपेट में जंगली पशु न आए ऐसा प्रयास शुरू किया है। आपको बता दें कि कटनी के बांधवगढ़ फॉरेस्ट एरिया से होकर कटनी से बिलासपुर का बड़ा रेल हिस्सा होकर गुजरता है जहां अबसर ट्रेने से टकराकर जंगली जानवर मौत के मुंह में समा जाते हैं। ऐसे स्थानों पर रेलवे अब अंडर पास बना रही है। साथ ही जंगल एरिया से गुजरती रेल पट्टी पर तारों को फेंसिंग भी कराने पर विचार चल रहा है। कटनी-बिलासपुर रेलवे ट्रेक का एक बड़ा हिस्सा उमरिया जिले के सामान्य वनमंडल से होकर गुजरता है। पाली और चुनचुटी के लगभग 20 किलोमीटर जंगल को चीरता हुआ यह रेलवे ट्रेक बाघों के लिए भी खतरा बना हुआ है। इस रेलवे ट्रेक पर चुनचुटी और पाली के बीच कई बाघ, तेंदुए और अन्य जानवर ट्रेनों की चपेट में आ चुके हैं। जंगली जानवरों पर यहां

मंडराते खतरे को देखते हुए उनके बचाव के लिए अब रेलवे से अंडरपास बनाने के लिए कहा जा रहा है। अनूपपुर और कटनी के बीच तीसरी लाइन का काम पिछले कई सालों से चल रहा है। रेलवे ने जंगल के पेड़ काटने की अनुमति भी वन विभाग से ली है। वन विभाग ने रेलवे को इसी शर्त पर अनुमति प्रदान की है कि जंगल के क्षेत्र में जहां भी जानवरों की क्रॉसिंग वाला हिस्सा है वहां रेलवे अंडर पास बनाए ताकि जानवरों को रेलवे ट्रेक क्रॉस न करना पड़े। उमरिया वन मंडल के अधिकारियों ने बताया कि इससे रेलवे के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। रेलवे की तीसरी लाइन का काम तो चल रहा है और उस पर अंडरपास बन सकता है लेकिन उमरिया जिले के सामान्य वनमंडल से होकर गुजरता है। पाली और चुनचुटी के लगभग 20 किलोमीटर जंगल को चीरता हुआ यह रेलवे ट्रेक बाघों के लिए भी खतरा बना हुआ है। इस रेलवे ट्रेक पर चुनचुटी और पाली के बीच कई बाघ, तेंदुए और अन्य जानवर ट्रेनों की चपेट में आ चुके हैं। जंगली जानवरों पर यहां

सिटी मॉल बरही रोड में ऑल इंडिया रिलीज



रोजाना 3 शो ता. 11 से 12.30, 3.30 एवं सायं 6.30 बजे से

खिलाड़ी

कलाकार- रवि तेजा, मीनाक्षी चौधरी, सचिन खेड़ेकर, मुकेश ऋषि आदि।

सिटी मॉल बरही रोड में ऑल इंडिया रिलीज



रोजाना 3 शो ता. 11 से 1.4 एवं सायं 7 बजे से

बधाई दो

कलाकार- राजकुमार राव, भूमि पेडनेकर, शीवा चड्ढा, हनी यादव आदि।

यदि आप तक समय पर यशभारत नहीं पहुंच रहा है तो संपर्क करें फोन:- 230033

ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर जल संकट

शहर में तो वैकल्पिक व्यवस्था लेकिन गांव में सिर्फ प्राकृतिक साधन ही उपाय



कटनी। कटनी के ग्रामीण क्षेत्रों में गंभीर पेयजल संकट शुरू हो चुका है। जमीन का जल स्तर नीचे जाने से समस्या गंभीर हो रही है। कटनी की सभी तहसीलों में जल संकट की दस्तक शुरू हो गई है तो कुछ स्थानों पर यह संकट गंभीर हो गया है। जिले के पठार क्षेत्र अर्थात बहोरीबंद, बाकल रीठा आदि क्षेत्र में पहले ही भूजल स्तर कम रहता है। पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां पानी की समस्या पूरे साल रहती है लेकिन इस बार यह समस्या गर्मी के पहले ही दिखने लगी है। नदी तालाब पोखर तो सूखे ही हैं यहां पर लोगों के घरों में लगे बोरेवेल भी बंद होने लगे हैं। आपको बता दें कि यह क्षेत्र बुंदेलखंड से जुड़ा वह क्षेत्र है जहां पानी का संकट सैकड़ों साल से बना हुआ है। फिलहाल इस क्षेत्र में बरगी दांसी तट नहर का काम चल रहा है लेकिन इससे इस क्षेत्र को पानी के संकट में कितना लाभ मिलेगा यह तय नहीं है। इसी क्षेत्र से लगी परियोजना केन बेतवा को भी मंजूरी मिल गई है लेकिन यह योजना भी पठार क्षेत्र के लिए नहीं है। मतलब साफ है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्र सिर्फ बारिश पर ही निर्भर है। इस गर्मी के पहले ही ये पेयजल की समस्या फरवरी में ही शुरू हुई थी लेकिन स्थानीय प्रशासन की ओर से उस पर सत्यक ध्यान न देने के कारण समस्या सुलझने के बजाय और बढ़ती ही गई। हाल ये है कि न तो टंकी का पानी मिल रहा न नलकूप का। हैंडपंप से हवा निकल रही है। ऐसे में ये नागरिक जाएं तो कहाँ जाएं? ऐसे में अब ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर प्रियंक मिश्रा से गांव में पानी की समस्या का निराकरण करने की मांग की है। जिले की कई विकासखंडों में गांव की हालत निरंतर बिगड़ रही है। कहने को यहां नलकूप लगे हैं। कई गांवों में पानी की टंकी भी बनी है लेकिन किसी से भी जलापूर्ति नहीं हो रही। ग्रामीण बताते हैं कि इलाके में लगे हैंडपंप का हाल ये है कि एक पर बहुत जोर लगाने पर केवल एक धार निकलती है बाकी दो से तो केवल हवा ही निकलती है। ऐसे में प्यास बुझाने के लिए गांव के कुछ बड़े लोगों के यहां की निजी बोरिंग से ही थोड़ा बहुत पानी ले पा रहे हैं। ग्रामीण बताते हैं कि पंचायत में जिम्मेदार प्रतिनिधि पानी की समस्या को लेकर गंभीर नहीं है। पिछले कई सप्ताह से यह समस्या और भी गंभीर हो गई है। पानी का इंतजाम करने के लिए काम-धंधा छोड़कर जुटना पड़ता है। बीते दिन की सुबह तो हालत इतने खराब थे कि लोग सुबह से डिब्बा बाल्टी लेकर पानी के लिए कतारों में खड़े रहे। पूछने पर बताया कि पंचायत प्रतिनिधि से कई बार कहा गया पर कोई सुनवाई ही नहीं हो रही।

सागर पुलिया पर सुबह-सुबह जाम, जनता परेशान

कटनी। जाम की समस्या दिनों दिन गंभीर होती जा रही है। कटनी के मिशन चौक के पास सागर पुलिया में एक बार फिर जाम लग गया। जाम का कारण वाहनों का दबाव अधिक होना था। पुलिया के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई थी। यातायात पुलिस कर्मियों जाम को खुलवाने के लिए लगातार प्रयास करते नजर आए। यातायात पुलिस कर्मियों की काफी मशकत के बाद मिशन चौक सागर पुलिया पर वाहनों का आना-जान सामान्य हुआ। मिशन चौक सागर पुलिया से होकर ही लोग बरगवां, कटनी साउथ स्टेशन और कलेक्ट्रेट की ओर जाते हैं। दोपहर के समय वाहनों का दबाव अधिक होने से यहां पर जाम की स्थिति आम तौर पर निर्मित हो जाती है।

नीरज सिनेप्लेक्स में ऑल इंडिया रिलीज रोजाना 3 शो ता. 11 से 12,3 एवं सायं 6 बजे से खिलाड़ी

(हिन्दी में) कलाकार- रवि तेजा, मीनाक्षी चौधरी, सचिन खेड़ेकर, मुकेश ऋषि आदि। टिकट दर- बॉक्स- 120/-, बालकनी क्लास- 100/- अपर क्लास- 80/-, लोवर क्लास- 60/-



व्यस्त मार्गों में निकलना हुआ मुश्किल

कटनी साउथ, कलेक्ट्रेट, चांडक चौक और सुधाप चौक की ओर से वाहनों का आना-जान रहता है। सभी वाहन मिशन चौक सागर पुलिया से होकर ही गुजरते हैं। वाहनों के दबाव के कारण ही हर दिन मिशन चौक सागर पुलिया पर जाम लगता है। हालांकि यातायात पुलिस कर्मियों यहां पर तैनात किए जाते हैं, ताकि जाम लगने की स्थिति में उसे खुलवाने का प्रयास किए जाएं और मिशन चौक सागर पुलिया पर आवागमन सामान्य हो सके जाम से निजात पाने के लिए एक आरओबी का निर्माण भी कराया जा रहा है। आरओबी के निर्माण पूरा जाने के बाद मिशन चौक सागर पुलिया से गुजरने वाले वाहनों का दबाव कम हो जाएगा। जिससे जाम की स्थिति मिशन चौक सागर पुलिया पर कम ही देखने को मिलेगी।

